आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

सेवा सौभाग्य

● मूल्य » 5 ● वर्ष-12 ● अंक » 140 ● मुद्रण तारीख » 1 अगस्त-2023 ● कुल पृष्ठ » 28

गुरुपूर्णिमा
महोत्सव–2023

पूज्य गुरूदेव का मिला आशीर्वाद

दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह

दो पुष्पों का एक मिलन

कार्यक्रम स्थल: सेवामहातीर्थ,
लियो का गुड़ा, बड़ी, उदयपुर (राज.)
दिनांक : 2 से 3 सितम्बर, 2023

दिव्यांग एवं निर्धन कन्याओं के बनें धर्म माता-पिता

पूर्ण कन्यादान (प्रति जोड़ा)
₹ 51,000

आंशिक कन्यादान (प्रति जोड़ा)
₹ 21,000

पाणिग्रहण संस्कार (प्रति जोड़ा)
₹ 10,000

भोजन सहयोग
₹ 5,100

आस्था

चैनल पर सीधा प्रसारण
दिनांक: 3 सितम्बर
समय: प्रात: 10 से दोपहर 1 बजे तक

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI
Google Pay PhonePe Paytm
narayanseva@sbi

+91 294 662 2222 | +91 7023509999

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

सेवा सौभाग्य

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

»1 अगस्त, 2023 »वर्ष 12 »अंक 140 »मूल्य 05 »कुल पृष्ठ 28

मुख्यालय : हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)-313002, फोन नं. : +91-294-6622222, वाट्सऐप : +91-7023509999
Web » www.narayanseva.org E-mail » info@narayanseva.org

पाठकों के लिए इस माह स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

06

09

12

14

16

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल » सम्पादक प्रशान्त अग्रवाल » सहयोग विष्णु शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद गौड़ » डिजाइनर विरेन्द्र सिंह राठौड़

Seva Soubhagya Print Date 1 August, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 28 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

'सेवक'
प्रशान्त भैया
अध्यक्ष

सेवा परमो धर्मः

दूसरों की भूख मिटाने के लिए वृक्ष फलते हैं और प्यास बुझाने के लिए नदियां अविरल बहती हैं। वे निस्वार्थ हैं। उनके इसी भाव के कारण उनका महत्व है। उनकी पूजा होती है। हम भी दूसरों की मदद कर जीवन को सार्थक बनाने का प्रयास करें।

सनातन परम्परा में जीवन के चार अंग बताए गए हैं। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। इनमें भी धर्म को वरीयता दी गई है, क्योंकि यदि जीवन में धर्म की उपस्थिति ही नहीं रहेगी, तो अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति के द्वार भी नहीं खुल पाएंगे। परोपकार ऐसा माध्यम है, जिससे धर्म का ठीक-ठीक पालन कर जीवन की सार्थकता को सुनिश्चित किया जा सकता है। जो दूसरों के उपकार का भाव सहेजे होते हैं, उनकी दैनन्दिन समस्याएं स्वतः हल होती जाती हैं। अन्न, जल, वस्त्र और औषध का दान श्रेष्ठ माना गया है। जिनके पास ये नहीं हैं, वे पीड़ितों की सेवा में समय दान और धर्म का पालन करके जीवन को कल्याणकारी मार्ग की ओर अग्रसर कर सकते हैं। जो दूसरों की पीड़ा को जब स्वयं में अनुभव करते हैं, तब स्वतः ही उनके हाथ सेवा के लिए उठ जाते हैं। इस सम्बंध में एक प्रसंग स्मृति में आ रहा है।

एक व्यापारी के पास बहुत पैसा था। जिसका उन्हें अंहकार भी था। एक दिन उन्होंने अपने घर राजपुरोहित जी को भोजन के लिए आमंत्रित किया। इसके पीछे उनका उद्देश्य था। भोजनोपरान्त व्यापारी ने राजपुरोहित जी के हाथों सिक्कों से भरी एक थैली सौंपते हुए कहा कि यह एक लाख मुद्राएं आपको सादर समर्पित हैं। आज तक आपको इतनी बड़ी धनराशि दानस्वरूप शायद किसी से न मिली होगी। राजपुरोहित सहृदयी, निर्लोभी और परोपकारी व्यक्ति थे। उन्होंने कहा श्रेष्ठी बंधु! आपने घर बुलाकर सम्मान दिया उसके लिए आभार किन्तु इस राशि का मैं क्या करूंगा? तभी व्यापारी बोले -'आपको बस इतना करना है कि राजदरबार से मुझे 'दानवीर' का सम्मान दिलवा दें।'राजपुरोहित जी ने तत्काल अपनी जेब में हाथ डाला और एक सिक्का निकाल उसे थैली पर रख पुनः व्यापारी को यह कहते थैली को लौटा दिया कि- इस राशि के पात्र वे हैं- जो जरूरतमंद हैं। इस धन को आप निराश्रित, अपाहिज, पीड़ित और गरीब परिवारों की सहायता व कन्याओं के विवाह आदि पर व्यय करें, आपका दान सार्थक हो जाएगा। तब 'सम्मान' स्वतः आपके घर दस्तक देगा और हजारों-हजार दुआएं आपके घर लक्ष्मी के चिर स्थायी निवास के लिए गूंज उठेंगी। वृक्ष दूसरों की क्षुधा मिटाने के लिए ही फलते हैं और नदियां दूसरों की प्यास बुझाने के लिए अविरल बहती हैं। इसीलिए वे पूजनीय हैं। आप भी अपने धन को समाज की बेहतरी में खर्च करिए, लोग आपको खुद बढ़कर अक्षय सम्मान प्रदान करेंगे।

पूज्य
कैलाश जी 'मानव'
संस्थापक चेयरमैन

जो नहीं, उसमें भी हित

मन चाही न होने पर व्यक्ति प्रायः निराश, उद्विग्न और तनाव ग्रस्त हो जाता है। हमारे पुरखों-पुराणों ने सदा ही इस बात पर जोर दिया है कि 'जो नहीं है', उसमें भी अपना ही हित देखने की कोशिश करो।' इसके विपरीत हम सदैव अभावों का दुःख मानते हुए जो कुछ हमारे पास है, उसका आनंद नहीं लेते।

मनुष्य भौतिक सुख-सुविधाओं को जुटाने के लिए लगातार दौड़ रहा है। उसे यह सोचने की फुरसत नहीं कि मानव जन्म पाकर उसे करना क्या है? कितने भटकाव के बाद उसे यह देह प्राप्त हुई, क्या मुक्ति की देहरी तक आकर वह फिर भटकाव के मार्ग पर लौट जाना चाहता है?

एक वृद्ध गुरू व उनका युवा शिष्य विहार करते हुए कई माह बाद पुनः अपनी मूल तपस्या स्थली पर लौटे। उन्होंने देखा कि कुटिया के छप्पर का बहुत सारा हिस्सा आंधी अपने साथ ले गई। कुटिया भी वर्षा से जर्जर थी। यह देख युवा शिष्य बुदबुदाया -'क्या विश्वास करें प्रभु पर? रात-दिन उनका नाम जप करके भी छत से महरूम हैं और छल-कपट करने वालों के भवन सुन्दर और सुरक्षित हैं।' गुरू बोले-'दुःखी क्यों हो रहे हो, कुटिया का एक हिस्सा और छप्पर तो सुरक्षित है। संभवतः हमारी श्रद्धा-भक्ति का यह परिणाम हो। रात को दोनों ही खुले आकाश तले सो गए। सुबह उठकर गुरू ने ईश्वर को प्रणाम करते हुए उनका धन्यवाद माना कि उन्हें बहुत आराम की नींद मिली। शिष्य झुंझला कर बोला-'एक तो उसने दुःख दिया है और उसका आभार मान रहे हैं। मैं तो एक पल भी सो न सका।

गुरू बोले- 'पुत्र! तुम उद्विग्न और निराश थे। इसलिए सो न सके। मै प्रसन्न था। इसलिए आराम से सो सका। परिस्थितियां बदलती रहती हैं, सुख-दुःख आते जाते रहते हैं। हर परिस्थिति में समभाव रहना चाहिए।'जो नहीं है उसका दुःख मनाते हुए हम जो कुछ हमारे पास है उसका भी आनंद नहीं ले पाते और जीवन को उलाहनों से भरकर कष्ट पाते रहते हैं।

गुरू ने जीवन जीवन जीने की इस कला को पा लिया था, जब कि शिष्य अपने 'मैं' को तिरोहित कर शांत भाव से जीने और परिश्रम से पुनः कुटिया बना कर प्रभु का आभार मानने से अपने को वंचित कर रहा था। यह प्राण शक्ति का अपव्यय था। जो लोग सकारात्मकता अपनाते हुए अपने दैनन्दिन जीवन में आचरण करते हैं, वे कभी दुःखी नहीं होते।

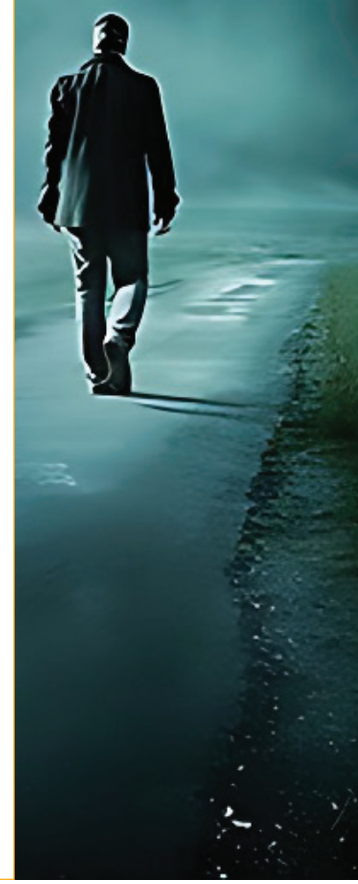

दो सावन का शुभ योग

वर्षों बाद दो सावन का अद्भुत एवं शुभ योग है। इस दौरान सत्संग, देव कथा श्रवण एवं दान-पुण्य भी बड़ा महत्व है। गरीबों, पीड़ितों, अपाहिजों, असहायों की सेवा से प्रभु प्रसन्न होते हैं।

सावन का महिना भक्ति-साधना की दृष्टि से बहुत ही शुभ माना गया है। इस माह में भगवान शिव की विशेष पूजा का विधान है। श्रद्धाभाव से की गई पूजा से शिव जरूर प्रसन्न होते हैं। इस वर्ष सावन के दो (59 दिन) माह है। 18 जुलाई से प्रारंभ हो कर 31 अगस्त को इसका समापन होगा। यह योग 19 वर्ष बाद बना है। विज्ञान की दृष्टि से देखा जाय तो हमारा पाचन तंत्र सूर्य पर निर्धारित है। ऐसे में सावन में सूरज बहुत कम निकलता है। जिसके कारण पाचन तंत्र कमजोर होने लगता है। वर्षा जल जनित रोग की संभावना भी बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में हमें अपने पाचन तंत्र को आराम देने की जरूरत होती है। इसी वजह से सावन में सुपाच्य भोजन करना चाहिए ताकि पाचन तंत्र अच्छा बना रहे।

धार्मिक महत्व- सावन माह में जगत के पालनहार भगवान विष्णु योग निद्रा में रहते हैं। ऐसे में सृष्टि का संचालन भगवान शिव द्वारा किया जाता है। साथ ही यह वह महिना भी है जब समुद्र मंथन हुआ था और विषपान करने के कारण शिव जी को नीलकंठ नाम मिला था। सावन के महिने में ही माता पार्वती ने अपनी कठोर तपस्या से महादेव को प्रसन्न किया था तथा शिव और शक्ति का मिलन हुआ था।

वैज्ञानिक महत्व- वर्षा ऋतु का आगाज आषाढ़ माह में होने से श्रावण मास में उपजने वाली वनस्पति प्रथम वर्षा के जल से दूषित हो जाती है। हमारे ऋषियों ने इसको पहले ही जान लिया था। इसलिए पत्ते वाली सब्जियां खाना वर्जित किया। पूरे माह व्रत रखने का संदेश भी दिया गया है।

शिवलिंग पर दूध- चूंकि प्रथम वर्षा के जल से उपजी सब्जियां, पत्तेदार सब्जियों का सेवन गाय-भैंस का दूध भी दूषित होता है। अतः ऋषियों ने विष पीने वाले शिव पर सिर्फ श्रावण मास में दूध चढ़ाने का आदेश दिया।

पंचामृत क्या है- दूध, दही, घी, शहद और शक्कर क्रमशः जल, वायु , अग्नि, आकाश और धरती तत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। भक्तजन तत्व रूपी पंचामृत समर्पित कर ईश्वर के प्रति कृतज्ञता अर्पित करते हैं।

क्या हम भी ऐसा कर सकते है? अवश्य सोच

यह एक सत्य घटना है जो साधारण मनुष्य की संस्कारों के प्रति दृढ़ता दर्शाती है। घटना सन् 1997 की है। उस समय मैं आयकर विभाग पटियाला में सहायक कमिश्नर था, और कार्यालय से सटी आयकर कॉलोनी में रहता था। कॉलोनी में एक कर्मचारी था जो कार्यालय समय के बाद कपड़ों पर प्रेस भी करता था। हम भी अपने कपड़े उसी से प्रेस करवाते थे। एक बार वह 1 माह की छुट्टी पर चला गया। तब मेरा चपरासी नजदीकी प्रेस वाले की दुकान पर कपड़े प्रेस करने के लिए दे आता था, और अगले दिन ले आता था। एक दिन सुबह उसने कार्यालय में मुझसे कहा श्रीमान जी मुझे प्रेस वाले ने कपड़े देने से मना कर दिया। उसने कहा आप साहब को भेजो, मैं कपड़े उन्हें ही दूंगा। पहले तो मुझे उसका कथन विचित्र लगा पर उसी क्षण मेरे मस्तिष्क में यह विचार आया कि वैसे भी हम भ्रमण करते ही हैं फिर उसके पास जाने में दिक्कत कैसी? कार्यालय समय के बाद मैं उसकी दुकान पर गया। दुकानदार 22-23 साल का नवयुवक था। मैंने बुलाने का कारण पूछा तो उसने मुझे 3000रू. पकड़ा दिये। कहने लगा बाउजी यह आपकी पेंट की जेब से निकले, तो उसी वक्त मुझे याद आया कि जब मैं लखनऊ ट्रेनिंग में गया था तब पेंट के अन्दर की जेब में रुपये रख लेता था। मैं जितने दिन वहां रहा जब-जब पेंट बदलता तब उन रुपयों को भी उसमें बदल देता। पर वापस घर आने के बाद मुझे उन रूपयों का स्मरण नहीं रहा । बच्चों ने कपड़े वैसे ही धो दिये। क्योकि घर में बच्चे ही कपड़े धोते थे। पत्नी का 1995 में देहांत हो गया था। बाद में शायद यह 3000रू. वाली बात मुझे याद आ जाती पर उस पर संदेह करने का कोई प्रश्न ही पैदा नहीं होता। मैंने सोचा कहीं यात्रा में गिर गये होंगे। मैंने धोबी की सत्यनिष्ठा, कर्त्तव्य निष्ठा और ईमानदारी से प्रभावित होकर 500रू. ईनाम स्वरूप उसे देने का प्रयास किया। लेकिन उसने लेने से मना कर दिया। उसी समय मेरे मस्तिष्क में एक कहानी उभर आयी। जो कई वर्ष पहले पढ़ी थी। एक सेठ जी अपने व्यापार के सिलसिले में किसी शहर में जाते हैं। वहां से अपने ग्राहकों से उधारी वसूल करने के लिए एक रिक्शा किराये पर लेते हैं। उसके बाद अपने सभी नियमित ग्राहकों से उधारी वसूल कर लेते हैं । उसके बाद उन्हें लगता है कि वापस जाने की गाड़ी में अभी समय है इसलिए उन्होंने अपने मित्र के पास ही जाने और वहीं भोजन करने की सोची। उनके मित्र का घर एक तंग गली में था, जहां रिक्शा नहीं जा सकता। अतः वे गली के नुक्कड़ पर उतर जाते हैं। वहां से मित्र के घर पहुँच कर बातचीत करते हैं। खाना खाते हैं। जब जाने का विचार बनाते हैं तो देखते हैं कि वह बेग जिसमें उन्होंने उधारी वसूली, नहीं दिखता है। यह सोचकर कि किसी ग्राहक के वहां भूल गया होऊंगा। जिससे अंतिम संपर्क किया वहां पहुंचे तो उसने बताया कि सेठ जी थैला तो आप लेकर चले गये। यहां तो नहीं है। यह सुनते ही उनके जहन में विचार आया कि शायद मैं उस रिक्शे में थैला भूल गया हूं। उन्होंने स्टेशन जाकर उस रिक्शावाले को ढूंढने का मन बनाया। कुछ समय में वह रिक्शा वाला संयोगवश स्टेशन पर मिल गया। उन्होंने उसे पहचान लिया और पूछा मैं आपकी रिक्शा में गया था क्या मेरा बेग आपकी रिक्शा में रह गया है? उसने उत्तर दिया। सेठ जी आपका बेग मेरे पास ही है वह मेरे घर पड़ा है । आप मेरे साथ चलो मैं आपको बेग देता हूँ। सेठ जी उसके साथ चल देते हैं। रिक्शावाला घर पहुँच उन्हें कहता है -सेठ जी जांच कर लीजिए कि आपके पैसे पूरे हैं या नहीं? सेठ जी ने बेग खोला और जांच की तो उन्होंने पाया कि पैसे 2 लाख से ऊपर ही थे जितनी उन्होंने वसूली की थी। उन्होंने रिक्शावाले की ईमानदारी से खुश होकर उसे 2 हजार रू. देने चाहे, पर रिक्शा वाले ने स्पष्ट मना कर दिया। उसने एक बात कही- सेठ जी आपने मेरी ईमानदारी की कीमत अच्छी लगायी। यदि मैं बेईमान होता तो मुझे 2 लाख रू. मिल जाते अर्थात यह मेरी बेईमानी की कीमत होती और आप मुझे राशि लौटाने के बदले 2 हजार रु. ईनाम देकर मेरी ईमानदारी की कीमत 2 हजार लगा रहे हैं। उसके बाद कहानीकार ने कहानी यही बंद कर दी। उसने पाठक पर छोड़ दिया कि उसकी बात में कितना अर्थ है? यह कहानी याद आते ही मैंने सोचा कि मैं भी वही कर रहा हूं जो सेठजी कर रहे थे।

मुझे इसकी ईमानदारी की कीमत ज्यादा रखनी चाहिए। तो मैंने 3000रू. जो उसने वापस दिये थे, उसमें 500रू. मिलाकर उसे 3500रू. पुरस्कार स्वरूप देने चाहे। पर उसने 3500रू. लेने से भी इनकार कर दिया। उसने कहा बाऊजी मेरा सिद्धांत यह है कि मैं तो सिर्फ अपने परिश्रम की रोटी खाऊंगा। आज के युग में एक साधारण आदमी की सिद्धांतों के प्रति यह अतीव निष्ठा नमन एवं प्रेरणा योग्य है। उसके माता-पिता और परिवार को भी इसका श्रेय जाता है । उन्होंने ऐसे संस्कार गरीब होते हुए भी अपनी संतान को दिये। यह घटना हम सब के लिए प्रेरणादायी है, और ईमानदारी का संदेश देती है। आईये हम भी उनके इन संस्कारों का अनुसरण करें।

एस.एस गोयल

कृत्रिम पैरों पर हर्षित हर्षल

ट्रेन दुर्घटना में दोनों पांव खो देने के बाद, हर्षल कदम (पुणे) की जिन्दगी वीरान सी हो गई। संजोये सपने टूट गए। घटना 30 अक्टूबर 2021 की है। ट्रेन में चढ़ ही रहे थे कि पास की पटरी से तेज रफ्तार में गुजरी ट्रेन ने चपेट में ले लिया। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। पैर पूरी तरह से क्षति ग्रस्त होने से डॉक्टरों की सलाह पर दोनों पांव कटवाने पड़े। घटना से घर में मातम छा गया। सभी का रो-रोकर बुरा हाल था। अस्पताल से घर लौटने के कुछ महीनों बाद राजस्थान निवासी एक मित्र ने उसे पीड़ित मानवता की सेवा में समर्पित नारायण सेवा संस्थान के बारे में बताया कि वह दिव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रदान कर उन्हें नई जिंदगी देता है। संस्थान से सम्पर्क कर हर्षल परिजन के साथ मई 2023 को उदयपुर आए।

यहां विशेषज्ञ ऑर्थोटिक व प्रोस्थोटिक टीम ने जांच कर दोनों कटे पैरों का माप लिया। दोनों पैरों के लिए विशेष नारायण लिम्ब तैयार कर पहनाए। कुछ दिनों उन्हें पहन कर चलने का अभ्यास भी कराया गया। अब हर्षल कृत्रिम पैरों के सहारे आसानी से चलने लगे हैं।

उपचार के बाद इन्होंने संस्थान में ही रहकर निःशुल्क मोबाइल रिपेयरिंग प्रशिक्षण प्राप्त किया। वे बताते हैं कि उन्हें यहां आकर बहुत खुशी मिली। कभी-कभी जिंदगी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं से रुबरू होने पर भी नये अवसर हासिल कर लेती है। इसके लिए हमें सकारात्मकता से आगे बढ़ने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। संस्थान ने मुझे न केवल अपने पांवों पर खड़ा किया बल्कि आत्मनिर्भर जिंदगी दी है। उसका बहुत-बहुत आभार!

बबली की ज़िन्दगी में बदलाव

नियती ने उसे छोटी उम्र में ही अनायास पोलियो का शिकार बना दिया और सिर से माता-पिता का साया भी छीन लिया।

ट्रेयह दुखद पहलू है बिहार निवासी बबली कुमारी (24) की जिन्दगी का। जब वह आपबीती सुनाती है तो आंखो से आंसू बहने लगते हैं। उन्होंने बताया कि जब वे 5 वर्ष की थीं, तब बुखार आया जो पोलियो का दंश देकर दोनों पैरों से अपाहिज बना गया। कुछ ही महीनों बाद माता-पिता की भी अचानक मृत्यु हो गई। इस स्थिति में भुआ और मामा ने सहारा तो दिया परन्तु पोलियो के कारण शारीरिक अक्षमता से पढ़ाई-लिखाई नहीं कर पाई। पिछले 19 साल से घिसट-घिसट किस तरह अपनी जिन्दगी बिता रही हूँ, वह सिर्फ मैं ही जानती हूँ। इसी बीच एक दिन सोशल मीडिया पर संस्थान के निःशुल्क पोलियो सुधार ऑपरेशन एवं सेवा प्रकल्पों की जानकारी मिली, जो नया जीवन देने वाली साबित हुई। 2020 में संस्थान आने पर दोनों पैरों की जांच के बाद डॉक्टरों ने दोनों पैरों के बारी-बारी से ऑपरेशन किये। करीब एक साल के इलाज बाद घिसटती हुई जिन्दगी से छुटकारा मिला। अब कैलिपर के सहारे खड़ी हो चलने में समर्थ हूँ। संस्थान ने निःशुल्क ऑपरेशन के साथ ही निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण दे मुझे आत्मनिर्भर भी बना दिया। संस्थान के ही नारायण सिलाई सेंटर में काम कर जीविकोपार्जन के साथ बचत भी कर लेती हूँ।

बबली बताती हैं कि संस्थान ने मुझे न सिर्फ अपने पांवों पर खड़ा किया बल्कि जीने का हौसला भी दिया है। माता-पिता का जो प्यार नहीं मिला वो भी यहां मिला। मुझे विकलांगता से मुक्त कर आत्मनिर्भर बनाकर समाज में एक नई पहचान दिलाने वाले इस संस्थान के प्रति आभार प्रकट करने के लिए मेरे पास पर्याप्त शब्द भी नहीं हैं।

शिवम के जीवन में खुशी के रंग

ट्रेन पहली संतान के रूप में बेटे के जन्म से शिवकुमार-मीनू देवी एवं परिजन बेहद खुश थे। लेकिन यह खुशी अगले ही पल मर्मान्तक दुःख में बदल गई। नवजात पोलियो का शिकार था। दोनों पांव कमजोर और घुटने से मुड़े हुए थे। घरवालों ने जो इद्रंधनुषी सपने सजाए थे, सारे बिखर गए। यह व्यथा-कथा लखनऊ निवासी शिवम वाल्मीकि की है जो जन्म के बाद से ही पिछले 20 सालों से संघर्षपूर्ण जीवन बीता रहा है। बढ़ती उम्र और दिव्यांगता के कारण जमीन पर घिसट-घिसट कर चलने को मजबूर शिवम को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। अपनी स्थिति और ओरों को चलते-खेलते देख बहुत तकलीफ होती थी कि भगवान ने उसे ऐसा क्यों बनाया? उसकी स्थिति को देख माता-पिता भी रो पड़ते थे। उन्होंने उपचार हेतू मुम्बई और आस-पास के कई अस्पतालों, वैद्य-हकीमों आदि के पास भी बहुत इलाज करवाया परन्तु निराशा ही हाथ लगी। उपचार के दौरान 2019 में एक दानदाता से नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क पोलियो सुधार ऑपरेशन के बारे में जानकारी मिली। जो पूरे जीवन को बदलने वाली साबित हुई। संस्थान आने पर नवम्बर 2019 में दोनों पैरों की जांच के बाद सफल ऑपरेशन हुआ। करीब दो साल के उपचार बाद बैशाखी के सहारे उन्हें एक नई जिन्दगी मिली। अब आराम से चल अपने सारे काम कर लेते हैं। करीब एक साल बाद दोनों पैरों में कैलिपर्स पहनाएं गए। जिससे वे बिना किसी सहारे के चलने में समर्थ हो पाए। आत्मनिर्भर बनने की सोच के साथ शिवम जनवरी 2023 में पुनः संस्थान आए और निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण में प्रवेश ले अपने सपनों को साकार करने में जुट गए हैं। वे कहते है कि माता-पिता और भाइयों का हर कदम पर सहयोग मिला। कभी-भी हीन भावना का शिकार नहीं बनने दिया। इसी हौसले और संस्थान के निःशुल्क उपचार ने मुझे अपने पैरों पर खड़ा होने और कुछ करने लायक बनाया है।

गतिमान हुआ सिंकी का ठिठका बचपन

प्यारी सी बेटी के जन्म से परिजन बेहद खुश थे लेकिन यह क्षणिक खुशी कुछ ही समय बाद दुःख में बदल गई। बच्ची पोलियो का शिकार थी। पानीपत निवासी सिन्की चमार का दांया पांव घुटने से ऊपर उठा एवं मुड़ा हुआ होने से वह पिछले 12 वर्ष से अपना जीवन कष्ट में बिता रही है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती गई वैसे-वैसे पीड़ा भी बढ़ती जा रही थी। रात-दिन दर्द के मारे रोती रहती थी। बेटी के इलाज हेतू माता-पिता और दादी ने आस-पास के कई अस्पतालों के चक्कर काटे, बहुत कोशिशें की परन्तु निराशा ही हाथ लगी। कुछ भी सुधार नहीं आया। फिर एक दिन इन्हें सोशल मीडिया से उदयपुर स्थित नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क पोलियो सुधार ऑपरेशन एवं अन्य सेवा प्रकल्पों के बारे में पता चला। जो सिंकी के जीवन में बदलाव वाला साबित हुआ। मई 2023 में दादी के साथ संस्थान आने पर विशेषज्ञ डॉक्टर टीम ने जांच कर सिंकी के दाएं पांव का सफल ऑपरेशन कर उसे कैलिपर्स के सहारे खड़ा कर दिया। दादी बताती है कि आखिर बेटी को इलाज मिल ही गया जिसने उसके जीवन को ही नहीं अपितु पूरे परिवार को नया जीवन दे दिया है। घुटनों के बल घिसट कर चलने वाली सिंकी अब पैरों पर खड़ी होकर अपने सपने पूरे करने को आतुर है।

धनपाल की नेत्रज्योति बनेगी दिव्यांग शीला

डूंगरपुर के मालचौकी गांव की शीला (24) पुत्री कान्तिलाल रोहत 4 साल की उम्र में ही पोलियो की शिकार हो गई । उसे दांई आंख से भी कम दिखाई देता है। दाँये पांव का पंजा मुड़ा होने के कारण लंगड़ा कर चलने को मजबूर है। गरीब माता-पिता के लिए सात सदस्यों के परिवार का पोषण ही पहाड़ उठाने जैसा है, ऊपर से बेटी की विकलांगता का दर्द उन्हें साल रहा था। अपनी गरीबी और बेटी की दिव्यांगता का दर्द सताए जा रहा था।

डूंगरपुर के गारा मालजी गांव में रहने वाले धनपाल (25) पुत्र फूलाराम डामोर जो जन्म से ही नेत्रहीन हैं। इनके माता-पिता ईंट बनाने का काम कर घर का गुजारा चलाते हैं। धनपाल ने कठिन परिश्रम कर आसपुर के ब्लाइंड स्कूल से 7वीं तक पढ़ाई की। परन्तु परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने से आगे की पढ़ाई नहीं कर पाए । माता-पिता लोगों के ताने सुन-सुन के थक गए कि कौन इस अन्धे को अपनी लड़की देगा? लेकिन ईश्वर ने उनकी सुन ली।

विकलांग संगठन 'अधिकार' की सभा के दौरान दोनों का मिलना हुआ। दोनों ने अपने अधूरे जीवन को पूरा करने का सपना देखा और एक-दूजे का सहारा बनने का निर्णय लिया। जब इन्होंने परिजनों को अपने फैसले की जानकारी दी तो वे बेहद खुश हुए उनकी चिंता खत्म हुई। लेकिन गरीबी इनके सपनों के साकार होने में आड़े आ रही थी। अब दोनों परिवारों की चिंता संस्थान के 40वें दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह से दूर होने जा रही है।

अधूरे ख्वाब होंगे साकार

यह कहानी है ऐसे दिव्यांग युवक-युवती की जो छोटी उम्र में ही पोलियो के शिकार होकर दोनों पैरों से घिसट-घिसट कर चलने को मजबूर हैं।

प्रतापगढ़ (राजस्थान) के सुहागपुरा निवासी लक्ष्मण मीणा (24) को 2 साल की उम्र में बुखार आया जो जीवन भर अपाहिज बना गया। ऐसा ही कुछ हुआ गामदा गांव की पुष्पा मीणा के साथ भी। 3 साल की उम्र में अचानक तबियत बिगड़ी और कुछ ही दिनों में पोलियो का शिकार हो गई । दोनों दिव्यांग कमर के नीचे के भाग से विकलांग हो संघर्षपूर्ण जीवन बिता रहे हैं। घर का गुजारा खेती से ही चलता है। कमजोर आर्थिक स्थिति और दिव्यांगता के कारण पुष्पा 9वीं तक ही पढ़ पाई। लेकिन अपने हौसलों से चुनौतियों को मात दे लक्ष्मण ने बी.ए. तक की पढ़ाई पूरी कर परिवार के अधूरे सपनों को पूरा करने की ठानी है। रिश्तेदारों ने दोनों की स्थिति को देखते हुए इन्हे परस्पर मिलवाकर 1 वर्ष पूर्व इनकी सगाई कर दी परन्तु दोनों परिवारों की आर्थिक स्थिति कमजोर होने से शादी नहीं हो पाई। जब इन्हें संस्थान के 40वें निर्धन एवं दिव्यांग विवाह की जानकारी मिली तो दोनों अपनी शादी का सुनहरा ख्वाब सितम्बर में पूरा करने जा रहे हैं।

वंदन-अभिनंदन

संस्थान के सेवा महातीर्थ बड़ी में 3 जुलाई को गुरुपूर्णिमा महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर संस्थापक चेयरमैन पूज्य गुरुदेव कैलाश जी 'मानव' का अभिनन्दन दिव्यांगों एवं देशभर से आए समाजसेवियों व संस्थान साधक-साधिकाओं ने किया। मानव जी ने कार्यकर्ताओं को सेवा का संकल्प करवाते हुए कहा कि जीवन में करुणा भाव को तिरोहित न होने दें। एक समावेशी समाज के लिए यह आवश्यक है। अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने कहा कि जीवन में चिरस्थायी आनन्द भाव के लिए गुरु आवश्यक है, जो शिष्य में जड़ता को समाप्त कर चैतन्य प्रदान करता है। उस व्यक्ति का जीवन उत्सव बन जाता है जो गुरु की आज्ञा के पालन को जीवन का ध्येय बना लेता है। उन्होंने एक गुरु के रूप में अपने श्रद्धेय पिता पूज्य कैलाश जी 'मानव' की 38 वर्षीय सेवा यात्रा और उपलब्धि मूलक पड़ावों का भी जिक्र किया। महोत्सव में नारायण गुरुकुल के बटुकों ने समवेत स्वरों में गुरु स्तुति की।

समाजसेवी श्री कन्हैयालाल जी श्यामसुखा जयपुर, सेवक प्रशान्त भैया, निदेशक-ट्रस्टी श्री जगदीश जी आर्य, श्री देवेन्द्र जी चौबीसा, श्रीमती वन्दना जी अग्रवाल ने पूज्य गुरुदेव का पाद-प्रक्षालन एवं पूजन किया। ईलाज के लिए उदयपुर आए दिव्यांगों और संस्थान साधकों ने भी सेवा गुरु के रूप में श्रद्धास्पद कैलाश की मानव का अभिनन्दन कर आशीर्वाद लिया। संचालन महिम जैन ने किया। इस भव्य गुरु वन्दन महोत्सव का आस्था चैनल के माध्यम से देशभर में दोपहर 1:30 से 3:30 बजे तक सीधा प्रसारण किया गया।

पांच सौ से अधिक कृत्रिम अंग वितरित

संस्थान के तत्वावधान में जून माह में देश के 6 शहरों में दिव्यांगजन को कृत्रिम (हाथ-पैर) व कैलीपर उपलब्ध कराने के लिए नि:शुल्क नारायण लिम्ब फिटमेंट शिविर लगाए गए। जिनमें 351 दिव्यांग जन के कृत्रिम अंग व 205 को कैलीपर लगाए गए।

» अमरावती: शिवधारा नेत्रालय, द्वारकानाथ कॉलोनी, अमरावती(महाराष्ट्र) में 4 जून को परमपूज्य संत श्री संतोष देव जी महाराज के सौजन्य से सम्पन्न शिविर में 41 कृत्रिम अंग व 5 कैलिपर का वितरण हुआ। मुख्य अतिथि श्री विजय जी शर्मा थे। अध्यक्षता श्री शरद जी अग्रवाल ने की। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लढ्ढा ने संचालन किया।

» भटिण्डा: बिग हॉप फाउण्डेशन, युवा भारत-आदर्श नगर वेलफेयर सोसायटी के सौजन्य से 4 जून को खालसा गुरूमती विद्यालय, भटिण्डा (पंजाब) में आयोजित शिविर में 145 कृत्रिम हाथ-पांव व 37 कैलीपर का वितरण हुआ। मुख्य अतिथि दिबर सिंह जीड़ा थे। संचालन श्री लाल सिंह भाटी ने किया।

» जालना: महाराष्ट्र के जालना शहर में 10 जून को दिव्यांगों की सहायतार्थ अग्रशक्ति बहुमंडल द्वारा आयोजित शिविर में 53 कृत्रिम अंग व 13 कैलिपर का वितरण हुआ। मुख्य अतिथि विधायक श्री राजेश तोपे थे। संभाजी नगर में सम्पन्न शिविर की अध्यक्षता श्री पन्नालाल जी ने की। संयोजन अखिलेश अग्निहोत्री ने किया।

» शामली: माता अमृतानंदमयी देवी कृपा धर्मार्थ ट्रस्ट शामली (उप्र) के सहयोग से सिटीग्रीन एल-2 वेंकेट हॉल में 11 जून को सम्पन्न शिविर में मुख्य अतिथि नगरपालिका चेयरमैन श्री अरविंद संगल व ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री सुनील गर्ग ने 59 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 34 को कैलिपर प्रदान किए।

» फिरोजाबाद: लॉयन्स क्लब के सहयोग से 25 जून को क्लब परिसर में 47 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 49 को कैलीपर प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि लॉयन्स क्लब गवर्नर श्रीमती सुनीता बंसल थी। अध्यक्षता श्री मनोज कुमार ने की।

» फरीदाबाद: वैश्य भवन, फरीदाबाद (हरियाणा) में 25 जून को लिम्ब फिटमेंट शिविर में 45 दिव्यांगजन के कृत्रिम अंग व 67 के कैलीपर लगाए गए। अध्यक्षता ओ. पी. बंसल जी ने की। मुख्य अतिथि वैश्य समाज अध्यक्ष श्री आनन्द गुप्ता थे । इस अवसर पर शाखा संयोजक श्री नवल किशोर जी गुप्ता व अध्यक्ष, लॉयन्स क्लब श्री सुनील जी अग्रवाल सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे। संचालन हरिप्रसाद लढ्ढा ने किया।

पीड़ितों तक पहुंचे निःशुल्क सेवाएं

संस्थान में 24-25 जून को संस्थान सहयोगी एवं राष्ट्रव्यापी सेवा शाखाओं के प्रभारियों के दो-दिवसीय आत्मीय स्नेह सम्मेलन हुआ, जिसमें 500 से अधिक सहयोगियों व प्रभारियों ने संस्थान के सेवा प्रकल्पों के विस्तार पर विचार साझा किए।

मुख्य अतिथि संस्थान संस्थापक परमपूज्य गुरुदेव कैलाश जी 'मानव' एवं विशिष्ट अतिथि सहसंस्थापिका गुरुमाता श्रीमती कमला देवी जी, श्री अनिल गुप्ता दिल्ली, श्री दामोदर-सुरजा मीणा कैथून, श्रीमती शीला बाप्टे बुलढाणा, श्रीमती चंद्रप्रभा सक्सेना भोपाल व श्री मनोहर सिंह नैनीताल थे।

आरंभ में अतिथियों व प्रभारियों का स्वागत करते हुए सेवक प्रशांत भैया ने कहा कि सेवा ही ईश्वर से मिलने का सेतु है। हम प्रयत्न करें कि हमारे आस-पास कोई भूखा-प्यासा और दवा-चिकित्सा से वंचित ना रहे। संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों को हर उस व्यक्ति तक पहुंचाना है, जिन्हें उनकी जरूरत है। आयोजन का आस्था चैनल के माध्यम से देशभर में सीधा प्रसारण हुआ। पूज्य कैलाश जी मानव ने कहा कि जब तक हमारे व्यवहार और दृष्टि में संवेदना व करुणा नहीं होगी, सेवा और परोपकार के भाव भी जागृत नहीं होंगे।

कार्यक्रम में राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार, पंजाब आदि राज्यों के प्रमुख समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। गुरुमाता कमला देवी जी, निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल व श्री रजत जी गौड़ ने संस्थान के सेवा प्रकल्पों की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में नारायण गुरुकुल के बालकों के 'आदियोगी' नृत्य व दिव्यांग जगदीश पटेल की व्हीलचेयर व मलखंभ पर प्रस्तुतियों को खूब सराहा गया।

संयोजन श्री महिम जैन व आभार ज्ञापन ट्रस्टी-निदेशक श्री देवेंद्र जी चौबीसा ने किया। सम्मेलन प्रतिनिधियों ने नगर के विभिन्न पर्यटन स्थलों के अवलोकन के साथ ही नाथद्वारा की यात्रा कर प्रभु श्रीनाथजी के दर्शन भी किए।

संस्थान के सेवामहातीर्थ में आयोजित सार्थक जीवन शैली संवाद कार्यक्रम 'अपनों से अपनी बात का 12 से 17 व 23 से 25 जून तथा 2 से 4 जुलाई तक क्रमशः आस्था,संस्कार व सत्संग चैनल पर प्रसारण हुआ। इस कार्यक्रम में संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने देश के विभिन्न भागों से निःशुल्क दिव्यांगता सुधारात्मक सर्जरी व कृत्रिम अंग लगवाने के लिए आए लाभार्थियों व उनके परिजनों से विचार साझा किए व उन्हें सुखी,सक्रीय,शांत और संयमित जीवन की दिशा में प्रेरित किया। उन्होंने दिव्यांग बधु-बहिनों से हौसले के साथ आगे बढ़ते हुए अपने भीतर की रूचियों को विकसित करने का आग्रह किया।

सेवक प्रशांत भैया ने कहा कि धनवान तो आसानी से बना जा सकता है, परन्तु धैर्यवान बनने के लिए श्रम और साधना की जरूरत होती हैं। जो व्यक्ति जीवन में धैर्य धारण कर लेता है। वो बड़ी से बड़ी समस्याओं से पार पाते हुए सफलता की ओर बढ़ता जाता है। मनुष्य के मन में सेवा, सद्भाव और सहयोग का झरना निरन्तर बहते रहना चाहिए। यही प्रवाह जीवन को सार्थक बना सकता है।

झीनी-झीनी रोशनी-51

पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है।'मानव' जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में प्रस्तुत किया है।

कैलाश जी ने अब उसे पूछा कि जिन दीन दुखियों के मनी आर्डर के पैसे नहीं पहुँचे हैं, उन्हें कष्ट हुआ या नहीं ? जिन लोगों के मित्रों-सम्बन्धियों की चिट्ठियां पोस्ट ओफिस में धूल चाट रही हैं उनके साथ अन्याय हुआ कि नहीं? इतना सब करने के बाद भी आप स्वयं को शिव भक्त कहते हो? कैलाश जी की इस उक्ति ने उसे बुरी तरह झिंझोड़ कर रख दिया, ऐसा लगा जैसे आत्म ग्लानि की ज्वाला उसके समूचे शरीर में धधक रही हो, वह अपने स्थान से उठा और बोला-मैं अभी पोस्ट ऑफिस जाता हूँ और सारा काम पूरा करता हूं। गलती तो मुझसे भारी हो गई है, मेरा गुस्सा तो विभाग की व्यवस्था के प्रति था मगर उसका खामियाजा गरीब लोगों को भुगतना पड़ा रहा है, कठोर से कठोर व्यक्ति में भी परिवर्तन लाया जा सकता है यदि उसे उचित तरीके से प्रेरणा दी जाय। रात आधी से ज्यादा बीत चुकी थी। पोस्ट मास्टर के पीछे-पीछे कैलाश जी भी पोस्ट ओफिस पहुँचे। दोनों ने मिलकर रात भर काम किया। इतने दिनों की लम्बित सारी औपचारिकताएं पूरी की। अगले दिन सारी डाक वितरित कराई, सभी मनी आर्डरों के पैसे पहुँचाए। इसके बाद से उस पोस्ट ऑफिस में सारा कार्य सामान्य रूप से चलने लगा।

आपने मेरी आंखें खोल दी है। पोस्ट मास्टर में आये इस परिवर्तन से कैलाश जी को अपने प्रयत्नों पर सन्तुष्टि हुई। इस बात की पुष्टि हो गई कि सिरोही से झालावाड़ आये कैलाश जी को महीने भर से भी ज्यादा समय हो गया था मगर सिरोही से एक ट्रक में बुक कराया हुआ उसका सारा सामान अभी तक झालावाड़ नहीं पहुँचा था। जिस ट्रान्सपोर्ट से सामान भेजा था उसे कह कह कर थक गया मगर सामान का कहीं अता-पता नहीं था। सामान के अभाव में दैनन्दिन जीवन प्रभावित हो रहा था मगर कोई उपाय भी नहीं था।

बुक कराने के 40 दिनों बाद जब अन्ततः सामान आया तो उसे जमाने में ही दो-तीन दिन लग गये। कमला जी व बच्चों ने पूरी मदद की। जब सामान जम गया तो अहसास हुआ कि झालावाड़ में उनका घर हो गया है। 15-20 दिन यूं ही गुजर गये। इन्सपेक्शन के सिलसिले में इसी बीच उन्हें एक गांव में जाना पड़ा। यहां का पोस्ट मास्टर अत्यन्त दयालु एवं ईश्वर भक्त था।

ट्रांसफेमोरल प्रोस्थेसिस फिटमेंट कार्यशाला

संस्थान में जर्मनी की ओटोबॉक कम्पनी के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय प्रोस्थेसिस कार्यशाला का 8 जुलाई को समापन हुआ। कम्पनी के जयपुर स्थित प्रतिनिधि कपिल जी प्रतिहार ने संस्थान के 20 ऑर्थोसिस व प्रोस्थेसिस तकनीशियनों को दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग बनाने सम्बन्धी अधुनातन तकनीक का प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला का उद्घाटन सेवक प्रशान्त भैया ने किया। संस्थान की सेन्ट्रल फेब्रीकेशन यूनिट के प्रभारी डॉ. मानस रंजन साहू ने बताया कि जिन लोगों के हादसों में घुटनों से ऊपर तक पांव कट जाते हैं, उनके लिए ट्रांसफमोरल मॉड्यूलर प्रोस्थेसिस की अत्याधुनिक फिटमेंट तकनीक पर आधारित यह कार्यशाला अधिक उपयोगी साबित होगी।

दिव्यांगों ने लिया योग का संकल्प

संस्थान में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर दिव्यांग बन्धु-बहनों, बच्चों एवं संस्थान साधकों ने योगाभ्यास करते हुए योग को दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लिया। इस मौके पर संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने कहा कि योग हमारे शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को सुधारकर शांति,स्वास्थ्य और संतोष का संचार करता है। दिव्यांगों ने अनुलोम-विलोम, प्रणायाम एवं ध्यान किया। सभी ने आत्मा के साथ एकीकृत होकर योग का आनंद लिया।

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पीटल वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी

450 बेड का नि:शुल्क सेवा हॉस्पीटल

नि:शुल्क शल्य चिकित्सा, जांचे, ओपीडी

बस स्टेण्ड से मात्रा 700 मीटर दूर

7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त

नि:शुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

निर्माण सहयोगी बनें

पुण्य ईंट-लॉबी-दीवार पर नाम

1,00,000 रू.

सेवा ईंट-पायें पुण्य

51,000 रू.

मानवता ईंट-करूणा भाव से स्वागत

21,000 रू.

भारत में संचालित संस्थान शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

चुरू
श्री गोरधन शर्मा,09588913301,गाँव व पो.-झोथड़ा, त. तारानगर, चुरू-331304

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714, बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार (म.प्र.)

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514, लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

हजारीबाग
श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9826648133
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
श्री सतीश शर्मा,मो. 09416121278
म.नं. 886, सेक्टर-7, अरबन एस्टेट करनाल

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट, अम्बाला केन्ट-133001

कैथल
श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम,
पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

उत्तर प्रदेश

मथुरा
श्री दिलीप जी वर्मा,मो. 08899366480
1, द्वारिकापुरी,कंकाली, मथुरा

बरैली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरैली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरैली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया, जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक
बालोद, जिला-बालोद

ईस्ट दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण सेवा केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103, ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस., लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1, गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
मेडती गेट के अंदर,कुचामन हवेली के पास,जोधपुर,राज.-342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-वी-5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

हरियाणा

चण्डीगढ़
070734 52176
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
07023003320,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,
म.न.-पी226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर, लेक टाऊन कोलकाता-700089

पंजाब

लुधियाना
07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी, बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

अहमदाबाद
मो.: 9529920080 म. नं.: बी 11, बसंत बहार फ्लेट, राजस्थान हॉस्पीटल के पीछे, शाहीबाग, अहमदाबाद 380004

दिल्ली

रोहिणी
08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी चौक,शाहदरा, दिल्ली-32

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07023101163, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मोदीनगर
आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प के पास, मोदी बाग के सामने मोदीनगर -201204

बरेली
बी-17, राजेन्द्र नगर, जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

लोनी
09529920084
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

राजस्थान

जयपुर
09928027946, बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080
ओ.बी. 3/27 गुजरात हाउसिंग बोर्ड खोडियार मंदिर, 4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड, बापूनगर, अहमदाबाद-24

राजकोट
09529920083, भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिवर्सिटी रोड,राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साईं लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

महाराष्ट्र

मुम्बई
09529920090,ओसवाल बगीची, आरएनटी पार्क,भायन्दर ईस्ट मुम्बई - 401105

मध्य प्रदेश

रतलाम
दत्ता कृपा महात्मा गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी बैंक के पीछे, स्टेशन रोड, रतलाम - 457001 (म.प्र.)

इन्दौर
09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार..

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000/-	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000/-
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000/-	13 ऑपरेशन के लिए	52,500/-
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000/-	5 ऑपरेशन के लिए	21,000/-
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000/-	3 ऑपरेशन के लिए	13,000/-
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000/-	1 ऑपरेशन के लिए	5,000/-

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मित्ति (हर वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)

नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7,000/-

दुखियों के चेहरों पर लाएं खुशियां

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5,000/-	15,000/-	25,000/-	55,000/-
व्हील चेयर	4,000/-	12,000/-	20,000/-	44,000/-
कैलिपर	2,000/-	6,000/-	10,000/-	22,000/-
वैशाखी	500/-	1,500/-	2,500/-	5,500/-
कृत्रिम हाथ/पैर	5,000/-	15,000/-	25,000/-	55,000/-

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500/-	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500/-
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500/-	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000/-
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000/-	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000/-

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

STATE BANK OF INDIA	-H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	-Madhuban	ICIC0000045	004501000829
PUNJAB NATIONAL BANK	-KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
UNION BANK OF INDIA	-UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
HDFC BANK	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

UPI narayanseva@sbi
संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें
फोन नं.: +91-294-6622222
वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता
नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

श्रीमती एवं श्री बद्री किशन व्यास, जोधपुर (राजस्थान)

श्री जग्गु भाई पटेल एवं श्रीमती कंचन बेन पटेल सूरत (गुजरात)

श्री यशपाल अहूजा एवं डॉ. राज अहूजा नई दिल्ली

श्री केदार दत्त जोशी एवं श्रीमती जानकी जोशी ठाणे (महाराष्ट्र)

स्व.श्री बंशीलाल पांचाल, डूंगरपुर (राजस्थान)

श्री प्रदीप बेरी, श्रीमती सुधा बेरी, डॉ. सृष्टि बेरी, श्रीमती प्रभा बहार, इंदौर (मध्य प्रदेश)

श्री विपिन भाई शाह सूरत (गुजरात)

श्री एम.पी. अग्रवाल नई दिल्ली

स्व. श्री सुरेन्द्र सिंह वालिया एवं श्रीमती उषा वालिया श्री धीरज वालिया, दिल्ली

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान किया जा रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने हेतु सादर आमंत्रण है।

» पूर्णतः प्राकृतिक वातावरण में प्राकृतिक चिकित्सा विधि से नाना प्रकार के रोगों का इलाज

» चिकित्सालय में भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार निर्धारित होती है

» रोगियों को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार-चिकित्सा दी जाती है।
» आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था

सम्पर्क करे :+91-294-6622222, 7023509999

इस राखी
कृत्रिम हाथ पर बंधेगी राखी

दिव्यांग बच्चों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

Seva Soubhagya, Print Date 1 August, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 28 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-